RECEIVED
11 JUL 2025
ForumIAS ACADEMY

ForumIAS CENTER CODE 1903 MUKHERJEE NAGAR BRANCH

MGP 2025

TEST CODE	8	1	4	4	1	2

Time Allowed : Three Hours
समय : तीन घंटे

ForumIAS

Maximum Marks : 250
अधिकतम अंक : 250

GENERAL STUDIES / सामान्य अध्ययन

Name Of Candidate / परीक्षार्थी का नाम	TESHUKANT		
Roll No./अनुक्रमांक	1910189032	Medium/माध्यम	English ☐ हिंदी ☑
Center Code/परीक्षा केंद्र	mukherjee nagar	Date/दिनांक	11/07/25

*Center Code : For Online - 1900 / Delhi : Karol bagh - 1901, ORN - 1902, Mukharji Nagar - 1903 / Patna : Boring Rd. - 2001 / Hyderabad : Jawahar Nagar - 2101

INDEX TABLE / अनुक्रमणिका

Q. No. प्र.सं.	Max. Marks अधिकतम अंक	Marks Obtained प्राप्तांक
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
Total/कुल अंक	250	

Examiner's Discretion/मूल्यांकन कर्ता का विवेक :

Total Marks/कुल अंक :

*Examiner's Discretion is the marks awarded at the discretion of the examiner based on your overall impression, on the basis of (but not limited to) your handwriting, presentation, use of diagrams, flowcharts, facts and figures or absolutely anything that he/she liked in your copy.

मूल्यांकन कर्ता का विवेक अंक, आपकी लिखावट, प्रस्तुति, आरेखों के उपयोग, फ्लोचार्ट, तथ्यों और आंकड़ों या समग्र रूप किसी अन्य विषय वस्तु, जो मूल्यांकन कर्ता को आपकी कॉपी में पसंद आयी के आधार पर (लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं) पर दिए गए अंक हैं।

INSTRUCTION / अनुदेश

1. Please do furnish Name, Email, Roll No and Mobile in the answer sheet.
कृपया उत्तर–पुस्तिका में नाम, ईमेल, रोल नंबर और मोबाइल नंबर भरें।

2. There are **TWELVE** questions printed in ENGLISH & HINDI, all questions are compulsory.
उत्तर पुस्तिका में अंग्रेजी/हिंदी में बारह प्रश्न दिए गए हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

3. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए निर्धारित अंक उसके सामने अंकित किए गए हैं।

4. Answers must be written in the medium authorized in the admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided.
उत्तर प्रवेश पत्र में अधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जो कि दिए गए स्थान में इस प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के कवर पर स्पष्ट रूप से लिखा जाना चाहिए।

5. Word limit in questions, if specified, should be adhered to. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum Answer Booklet must be clearly Struck off.
प्रश्नों में शब्द सीमा, यदि निर्दिष्ट हो, का पालन किया जाए। प्रश्न–सह–उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गये किसी भी पृष्ठ या पृष्ठ के भाग को स्पष्ट रूप से काट दें।

For Student Only / केवल परीक्षार्थी प्रयोग हेतु

Start Time/प्रारंभ करने का समय : 9:44	**End Time/समाप्त करने का समय :** 12:49
Mode Of Examination/ परीक्षा की विधि :	Online/ऑनलाइन ☐ Offline/ऑफलाइन ☑

For Office Use Only / केवल कार्यालय प्रयोग हेतु

ECN CODE/ ईसीएन कोड :	EG/ईजी : ① ② ③ ④ ⑤	Evaluation Date/ मूल्यांकन तिथि :

Note: Students are expected to incorporate suggestions from the feedback provided in the answers. Discussion classes for the tests are also available online in your portal to aid in your preparation. Further, students are requested to see the good copies of the tests and learn from them. You can also discuss your copy with a Mentor and discover ways and means to improve your answers, or if you have any issues with this test / copy. Ask specific questions, to get specific answers.

EXAMINER'S REMARKS

Forum IAS

CRITERIA FOR THE FEEDBACK SECTION AT THE END OF EACH QUESTION

1. **AWIS = Answered What is Asked.** This means whether you have addressed the core demand of the question or not. Addressing the core demand of the question gets you an objectively fair score. It is examiner's perception if you have understood the question and if you know the answer in the first place. Creative answer writing, sometimes missing the core demand, may fetch very high or very low scores, and exposes your answer to the subjectivity of the examiner.
2. **CD & VA = Content Density & Value Addition**. Examiner will evaluate the quality and quantity of your content in the answer. In the same word limit and space limit have you (a) written what is asked (b) gone beyond what is asked (c) enriched answers through combination of (but not all!) suggestions, ideas, quotes, flowcharts, diagrams, facts and figures, data etc. This affects objective components of assessment.
3. **S & F = Structure & Flow** = Whether you have structured your answer properly or not. Whether the answer has been broken into parts and sub-parts and each part has been addressed appropriately or not. Whether the flow of the answer is maintained. Affects both subjective and objective components of assessment.
4. **P & R** = How your answer performs on the criteria of **presentation, ease of read, clarity and apparent effort** in writing the answer. This affects the subjective components of assessment.

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

Section - A

Q.1) a) Rising influence of money power in Indian elections poses a serious challenge to transparency, fairness, and democratic accountability. How can ethical electoral funding be ensured to maintain the integrity of democracy? (10 marks, 150 words)

भारतीय चुनावों में धनबल का बढ़ता प्रभाव पारदर्शिता, निष्पक्षता और लोकतांत्रिक जवाबदेहिता के लिए गंभीर चुनौती है। लोकतांत्रिक सत्यनिष्ठा को बनाए रखने के लिए नैतिक चुनावी निधियन/फंडिंग कैसे सुनिश्चित किया जा सकता है? (10 अंक, 150 शब्द)

"चुनाव पद्धति लोकतंत्र की नींव है और निष्पक्ष और पारदर्शी होना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी" - टी.एन.शेषन (ex.CEC)

यह कथन फ्री और फेयर चुनाव के महत्व को उजागर करती है जो धनबल के प्रभाव में चुनौतीपूर्ण बन जाता है।

धनबल के बढ़ते प्रभाव से पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही के प्रति चुनौतियाँ

पारदर्शिता प्रभावित

1. RPA,1951 के अनुरूप अपने संपत्ति का उचित और सटीक खुलासा नहीं करना
2. चुनावी प्रक्रिया में निर्णय के प्रति तर्कों को पारदर्शी नहीं रखना

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

निष्पक्षता प्रभावित

1. अधिकारियों में भ्रष्टाचार के मामले
2. राज्य के कर्मचारियों पर स्थानीय दलों का प्रभाव
3. चुनाव आयोग के निर्णयों पर प्रश्न चिन्ह
   eg प्रधानमंत्री के बयान पर नोटिस नहीं जारी करना (चुनाव 2024)

लोकतांत्रिक जवाबदेहिता प्रभावित

1. समान अवसर नहीं सुनिश्चित होना (A.16)
2. वोटों की खरीदी से फ्री व फेयर चुनाव प्रभावित eg मूल ढांचा
3. चुनावों में अनैतिक घोषणा eg Freebies

नैतिक चुनावी फंडिंग

1. इंद्रजीत गुप्ता समिति : राज्य द्वारा वित्तपोषण
2. पार्टी आधारित ऑडिटिंग प्रणाली लाना
3. अनिवार्य Income Tax filling eg कांग्रेस पार्टी द्वारा नहीं भरा जाना - 2024
4. पारदर्शिता के लिए आदर्श संहिता को बाध्यकारी बनाना।

Feedback
(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

इस प्रकार चुनाव को पारदर्शी बनाकर शासन को अधिक लोकतांत्रिक बनाया जा सकता है।

b) Explain the key dimensions of ethics that influence human behaviour. How do these dimensions shape ethical decision-making in private life? (10 marks, 150 words)

नैतिकता के उन प्रमुख आयामों का वर्णन करें जो मानव व्यवहार को प्रभावित करते हैं । ये आयाम निजी जीवन में नैतिक निर्णय लेने को कैसे आकार देते हैं? (10 अंक, 150 शब्द)

"नैतिकता अंधेरे में दीपक के समान है।" – स्वामी विवेकानंद

अर्थात यह हमारे आचरण व्यवहार को निर्देशित करता है। eg शुचिता – गाँधीजी

नैतिकता के प्रमुख आयाम

1. साधन साध्य के आधार पर

- परिणामवादी नैतिकता
  - eg उपयोगितावाद – अधिकतम लोगों का अधिकतम सुख
- परिणाम निरपेक्ष नैतिकता
  - eg कांटीयन नैतिकता "A good for good"

2. प्रायोगिक नैतिकता

A. तकनीकी नैतिकता – eg जीनएडिटिंग का प्रयोग मानव स्वास्थ्य में

B. पर्यावरणीय नैतिकता – eg गहनपारिस्थितिकी वाद – आर्नेनेस → प्रकृति आधारित उपभोग

ForumIAS

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

6. व्यावसायिक नैतिकता (e) इस्तीफा

| निजी जीवन में नैतिक निर्णयों का आधार |

1. नैतिक आयाम व्यक्ति के विभिन्न गतिविधियों को निर्धारित करती है।
2. यह स्थानसापेक्ष निर्णय लेने में सहायता करती है। (e) कार्यस्थल पर व्यावसायिक नैतिकता
3. यह विभिन्न हितधारकों के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करती है (e) पर्यावरणीय नैतिकता के अनुरूप Life अभियान
4. यह प्रशासन को जवाबदेह बनाती है (e) प्रशासनिक नैतिकता - पारदर्शिता के लिए RTI
6. ये पारिवारिक संबंधों को मजबूत बनाती (e) पारस्परिकता व सहयोग का मूल्य

इस प्रकार नैतिकता के विभिन्न आयाम व्यक्ति की चरित्र निर्माण में सहयोग करते हैं।

Feedback
(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

Q.2) a) "Academic freedom is the bedrock of scholarly inquiry and intellectual progress." Examine the ethical issues that arise when educational institutions yield to political, social, or economic pressures and compromises academic freedom. (10 marks, 150 words)

"शैक्षणिक स्वतंत्रता विद्वतापूर्ण अनुसंधान और बौद्धिक प्रगति की आधारशिला है।" इस बात की जांच करें कि जब शैक्षणिक संस्थान राजनीतिक, सामाजिक या आर्थिक दबावों के आगे झुक जाते हैं और शैक्षणिक स्वतंत्रता से समझौता करते हैं, तो कौन -से नैतिक मुद्दे उत्पन्न होते हैं। (10 अंक, 150 शब्द)

" यदि देश का सुंदर भविष्य चाहिए, तो यह तीन लोग सुनिश्चित कर सकते हैं - माता, पिता, और गुरु " - कलामजी

यह शिक्षण संस्थानों की भूमिका बताती है।

शैक्षणिक संस्थान की स्वतंत्रता से समझौता होने पर नैतिक मुद्दे

1. बहुमुखी व्यक्ति का विकास बाधित होता है, जोकि हमारे संविधान का उद्देश्य है।
2. नवाचार और राष्ट्रनिर्माण प्रभावित
   (Eg) भारत में रिपीटेशन (पुनरावृत्त) पेटेंट की अधिक संख्या।
3. लर्निंग आउटकम में कमी (Eg) विवि में राजनीतिक चुनावों में बाहरी हस्तक्षेप

4. **अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता (A-19) प्रभावित** तथा छात्रों का लोकतंत्र के प्रति जागरूकता नहीं जिससे फेक न्यूज फैलना।

5. **सामाजिक पिछड़ापन** क्योंकि छात्रों में सुधार के प्रति अभिवृत्ति नहीं
(b) छात्रों का धर्म/जाति समूहों से जुड़ाव

6. **संस्थान - उद्योग संबंध** का प्रभावित होना जोकि आर्थिक दबाव का परिणाम है।

7. **समान अवसर** नहीं सुनिश्चित होना जिससे सुभेद्य वर्ग प्रभावित (b) छात्रवृत्ति में बाधा से पहुँच नहीं

शैक्षणिक स्वतंत्रता के समाधान

- CSR फंडिंग का प्रयोग
- नवाचार सहकारिता का पूल बनाना
- नियमित व निष्पक्ष छात्र चुनाव
- छात्रवृत्ति व शैक्षणिक संस्थाओं में आरक्षण को सुनिश्चित करना
- स्वतंत्र विचार को स्थान देना

Feedback
(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table. Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

इस प्रकार, स्वतंत्र विचार ही

b) Fortitude enables a civil servant to make difficult yet morally right decisions. Explain with reference to real-life examples. (10 marks, 150 words)

दृढ़ता (Fortitude) एक सिविल सेवक को कठिन परंतु नैतिक रूप से सही निर्णय लेने में सक्षम बनाता है। वास्तविक जीवन के उदाहरणों के सन्दर्भ में स्पष्ट कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

दृढ़ता से आशय, अपने निर्णयों के प्रति अडिग रहने से है चाहे चुनौती कितनी भी विकट क्यों न हो।

(eg) चावरण म (परीक्षण) में बाहरी दबाव के बाद भी नाभिकीय परीक्षण।

दृढ़ता से नैतिक निर्णय

1. राजनीतिक दबाव से नहीं प्रभावित
(eg) टी एन शेषन - चुनाव आयुक्त होते हुए चुनावी सुधार

2. साहस मूल्य को स्थान देना (eg)
(ex IAS) अशोक खेमका की रेत माफियाओं पर कार्यवाही।

3. पारदर्शिता से नहीं डगमगाना
(eg) IAS सत्येन्द्र दुबे - RTI के माध्यम से घोटाले का खुलासा

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

4. दृढ़ता से लोकप्रिय अनैतिक मांगों को नहीं सुनना (eg) बाबा रामरहीम की गिरफ्तारी का विरोध

5. दृढ़ता से नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता
(eg) होमीजेभाभा की न्यूक्लियर नीति के प्रति प्रतिबद्धता

6. दृढ़ता से एक राजनायिक राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरी रख पाता है
(eg) UN में भारत के प्रस्ताव - 1267

7. नागरिक लोकसेवा में बल्कि निजी जीवन में भी
→ सरकार को जवाबदेह ठहराने
→ पर्यावरण के प्रति सुधार
(eg) हसदेव आंदोलन
→ स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार
(eg) आशावर्कर के प्रतिबद्धता

अतः दृढ़ता व्यक्ति को नैतिक रूप से साहसी बनाता है (moral courage)

Feedback (For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table. Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS

Q.3) Given below are the three quotations of great thinkers. What do each of these quotations convey to you in the present context?

नीचे महान विचारकों के तीन उद्धरण दिए गए हैं। वर्तमान संदर्भ में इनमें से प्रत्येक उद्धरण आपको क्या संदेश देता है?

a) "When learning is purposeful, creativity blossoms. When creativity blossoms, thinking emanates. When thinking emanates, knowledge is fully lit. When knowledge is lit, the economy flourishes."- Abdul Kalam. (10 marks, 150 words)

"जब सीखना उद्देश्यपूर्ण होता है, तो रचनात्मकता खिलती है। जब रचनात्मकता खिलती है, तो चिंतन प्रक्रिया विकसित होती है। जब चिंतन प्रक्रिया विकसित होती है, तो ज्ञान पूरी तरह से प्रकाशित होता है। जब ज्ञान प्रकाशित होता है, तो अर्थव्यवस्था समृद्ध होती है।" - अब्दुल कलाम (10 अंक, 150 शब्द)

उपरोक्त कथन में सीखना, रचनात्मक चिंतन, ज्ञान और समृद्धि का एक पारस्परिक व पूरक संबंधों पर आधारित चक्र को बताया गया है।

वास्तव में रोट लर्निंग के कारण सीखने की प्रक्रिया बाधित होती है और डिग्री आधारित शिक्षा प्रणाली का विकास होता है।

किंतु शैक्षणिक संस्थाओं का उद्देश्य जब सीखना बनता है तो उसके अपउत्पाद देश की समृद्धी के रूप में आता है।

(eg) चीन की तकनीक के प्रति दृष्टिकोण से आज की समृद्धि

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

सीखने से समृद्धि की यात्रा

1. सीखने की प्रक्रिया में जिज्ञासा को स्थान मिलना → eg बच्चों का अपने माँ से सवाल जवाब

2. जिज्ञासा से प्रश्नोत्तर eg सुकरात क्वेश्चनिंग

3. प्रश्नों के जवाब में सृजनक्षमता eg विक्रम साराभाई - रॉकेट मिशन

4. सृजनक्षमता का विस्तार नवाचार और ज्ञान के रूप में विस्तार eg प्रबोधनकालीन नवाचार

6. नवाचार और ज्ञान से समृद्ध
eg AI प्रतिस्पर्धा में USA और चीन का विकास
- भारत के अंतरिक्ष अभियानों से विकास में योगदान
- UPI जैसे नवाचार के माध्यम से अर्थव्यवस्था को ऊर्जा

Feedback (For OFFICE use only)

#	Ⓖ	Ⓐ	Ⓟ
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table. Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

इस प्रकार शैक्षणिक व बौद्धिक जिज्ञासा से नैतिक व्यक्ति, समाज, राष्ट्र

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

b) "The difference between what we do and what we are capable of doing would suffice to solve most of the world's problems."-Mahatma Gandhi (10 marks, 150 words)

"हम जो करते हैं और जो करने में सक्षम हैं, उसके बीच का अंतर विश्व की अधिकांश समस्याओं को हल करने के लिए पर्याप्त होगा।" - महात्मा गाँधी (10 अंक, 150 शब्द)

यह कथन कथनी और करनी के अंतर को बताता है जब विचार कर्म के रूप में धरातल पर आती है तो परिवर्तनों और सुधारों का वाहन बन जाती है। eg) गांधीजी का सत्याग्रह जिससे समीर्वा स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा।

करने और करने में सक्षम के बीच का अंतर

1. व्यक्तिगत स्तर पर

A. प्रोक्रैस्टिनेटिंग (अर्थात् अपने कार्यों को टालते रहना।

eg) पढ़ाई के समय डूमस्क्रॉलिंग

B. समर्पण व लगन का अभाव

eg) व्यावसाय में विफल होना

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें।)

2. प्रशासनिक स्तर पर

A. लालफीताशाही का बना रहना (eg) 3.5 लाख RTI के निलंबित मामले

B. अनुक्रियाशीलता का अभाव, जिससे जनता में असंतोष।

3. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर

A. पर्यावरणीय प्रतिबद्धता को पूरा नहीं करना (eg) जलवायु वित्त का उचित प्रबंधन नहीं

B. UN में सुधारों के प्रति प्रतिबद्धता

अतः इन समस्याओं का समाधान, अंतर को मिटा के आसानी से किया जा सकता है।

कथनी करनी के अंतर को मिटाने का उपकरण

1. साहस मूल्य से संचालित (eg) चंद्रयान III
2. निरंतर अभ्यास (eg) D गुकेश का मेगनस को हराना
3. सकारात्मक अभिवृत्ति

Feedback (For OFFICE use only)			
#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table. Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS

4. समाधान आधारित दृष्टिकोण।

इस तरह व्यक्ति व समाज अपनी क्षमता से सुधार व परिवर्तन का प्रयोग कर

c) "Love and compassion are necessities, not luxuries. Without them, humanity cannot survive."-Dalai Lama (10 marks, 150 words)

"प्रेम और करुणा आवश्यकताएं हैं, विलासिता नहीं। उनके बिना मानवता जीवित नहीं रह सकती।" - दलाई लामा (10 अंक, 150 शब्द)

प्रेम और करुणा मानव संबंधों में रक्त के समान इसे जीवित और सुचारु बनाये रखता है अतः यह हमारी प्राथमिक आवश्यकता है विलासिता नहीं है क्योंकि

1. प्रेम के माध्यम से समाज में सहिष्णुता जिससे जातीय-धार्मिक दंगे व हिंसा नहीं होते।

2. करुणा से आपसी बंधुत्व में वृद्धि जिससे हीनता व अस्पृश्यता की भावना का नाश होता है।
(e.g.) समानता का अधिकार (A. 14-18)

3. प्रेम से संबंधों के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित होती है जिससे व्यक्ति अधिक जिम्मेदार बनता है।

(उदा) ई. चंद्र विद्यासागर का बालिकाशिक्षा के प्रति

4. करुणा के माध्यम से संकट का सामना (उदा) कोविड महामारी के दौरान आपसी सहायता (सोनू सूद)

6. समाज में प्रेम व करुणा से राष्ट्रनिर्माण में योगदान (उदा) सोशल कैपिटल का निर्माण।

6. न्यायआधारित समाज के निर्माण में जिसमें सुधारात्मक न्याय और वितरणमूलक न्याय सुनिश्चित हो पाता है।

7. प्रशासन में भी
- सामुदायिक सहभागिता बढ़ती है
- योजनाओं/नीतियों के प्रति जनता का सहयोग
- सिविक सेंस
- कानून व्यवस्था सुधार

Feedback
(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS

निश्चित रूप से प्रेम व करुणा एक साध्य मूल्य है, जिसे बुद्ध ने कहा है

Q.4) a) What do you understand by the term 'probity in governance'? Explain how probity acts as the foundation of ethical public administration. (10 marks, 150 words)

'शासन में ईमानदारी' शब्द से आप क्या समझते हैं? बताइए कि ईमानदारी किस प्रकार नैतिक लोक प्रशासन की नींव का कार्य करती है। (10 अंक, 150 शब्द)

शासन में ईमानदारी से मैं समझता हूं कि : "अपने प्रशासनिक मूल्यों का पालन करना, अपने कार्यों के प्रति जवाबदेह और उचित प्रक्रिया का पालन और पारदर्शिता के साथ लोक सेवा को सर्वोपरि रखने से है।"

(eg) भगतसिंह का देश के प्रति बलिदान
- स्वामी विवेकानंद का समाज के प्रति
- डॉ अंबेडकर का पिछड़े व महिलाओं के प्रति

ईमानदारी: नैतिक लोक प्रशासन की नींव

1. ईमानदारी से व्यक्ति प्रक्रिया व संवैधानिक उद्देश्यों को सर्वोपरी रखना

(eg) खनिज खानों की उचित निलामी - अशोक खेमका के कार्य

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

2. ईमानदारी से जवाबदेही सुनिश्चित (उदा) जनचौपाल के माध्यम से जनता के सवाल

3. ईमानदारी से पारदर्शिता (उदा) RTI नियमों का पालन

4. राजनीतिक व सामाजिक दबाव में नहीं आना (उदा) ओडिशा में अधीक्षा पद्म बाल विवाह के प्रतिरोध में।

5. संसाधनों का उचित प्रयोग व निजी प्रयोग नहीं (उदा) चाणक्य का निजी काम के लिए अपने तेल से दीप जलाना।

6. अपने कर्तव्यों से भागना नहीं

7. समाधान से संकट का सामना

ईमानदारी होने से
→ प्रशासन में विश्वास बढ़ता है
→ संवाद से समाधान
→ सहभागिता होता है
↓ अच्छा उदाहरण स्थापित होना बढ़ती है

इस प्रकार ईमानदारी अन्य प्रशासनिक मूल्यों के लिए बीज का

Feedback
(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

b) "Starvation must not be used as a weapon of war." Yet, parties involved in conflicts often resort to the blockade of food and medical aid to civilians in conflict zones, deepening the humanitarian crisis. Powerful nations, despite their capacity to intervene, tend to prioritise strategic interests over humanitarian concerns. What ethical considerations should guide powerful nations in preventing such actions and ensuring unimpeded humanitarian access? (10 marks, 150 words)

"भुखमरी को युद्ध के हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।" फिर भी, संघर्षों में शामिल पक्ष अक्सर संघर्ष क्षेत्रों में नागरिकों को भोजन और चिकित्सा सहायता को रोकने का सहारा लेते हैं, जिससे मानवीय संकट गहराता है। शक्तिशाली राष्ट्र, हस्तक्षेप करने की अपनी क्षमता के बावजूद, मानवीय चिंताओं पर रणनीतिक हितों को प्राथमिकता देते हैं। शक्तिशाली राष्ट्रों को ऐसी कार्रवाइयों को रोकने और निर्बाध मानवीय पहुँच सुनिश्चित करने में कौनसे नैतिक विचार सहायक हो सकते है? (10 अंक, 150 शब्द)

इजराईल-गाज़ा संघर्ष में ऐसे उदाहरण सामने आए जिसमें चिकित्सा सहायता रोकने और UN द्वारा भोजन सहायता को भी रोकने का प्रयास किया गया।

शक्तिशाली देशों द्वारा प्रयोग इन उपायों से नैतिक चिंता

- सैनिक युद्ध न होकर सामाजिक युद्ध बनाना
- मानवविकास में दूरगामी प्रभाव
- गैरआनुपातिक हमलों का प्रयोग
- वियना कंवेंशन के नियमों के विरुद्ध
- बच्चों व महिलाओं को निशाना

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

मानवीय पहुँच के लिए नैतिक विचार कैसे सहायक

1. साधन साध्य की पवित्रता का विचार
   → यदि युद्ध का उद्देश्य नैतिक है तो इसे अन्य साधनों से नहीं पाना
   → अतः चिकित्सा व भोजन सहायता बाधित नहीं करना।
2. उपयोगितावादी विचार: मानवीय पहुँच रोकने से अधिकतम लोगों का सुख बाधित होता है।
3. रॉल्स के न्यायआधारित दृष्टिकोण: यह युद्ध के गैर पक्षपात पर अन्यायपूर्ण व्यवहार है।
4. कांटीयन सिद्धांत/विचार: यह सार्वभौमिक नैतिकता के विपरीत अतः मानवीय पहुँच सुनिश्चित हो।
5. अमर्त्य सेन के क्षमतानिर्माण विचार के लिए आवश्यक है कि मानवीय पहुँच से सहायता दी जाए।

इन विचारों का प्रयोग कर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से मानवीय सहायता

Feedback
(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

Q.5) a) What teachings of Mahavira are most relevant today and why? Discuss. (10 marks, 150 words)

महावीर की कौन सी शिक्षाएँ आज सर्वाधिक प्रासंगिक हैं और क्यों? चर्चा करें। (10 अंक, 150 शब्द)

महावीर जैनधर्म के प्रवर्तक दार्शनिक व्यक्ति, जिन्होने अपने दार्शनिक विचारों से महाजनपदकालीन समस्याओं का समाधान निकाला, आज भी प्रासंगिक नज़र आते है।

महावीर की शिक्षाएँ जो आज भी प्रासंगिक

1. ~~स्याद~~ स्यादवाद : यह विविध सत्य की धारणा पर विश्वास करता है
   → अतः इससे विचारों में टकराव से असहिष्णुता नहीं आता।

प्रासंगिकता : बढ़ती असहिष्णुता और तनातीप है — मणिपुर हिंसा

2. अहिंसा परम मूल्य
→ आपसी संघर्ष को रोकता है
प्रासंगिकता : इजराइल हमास, रूस यूक्रेन संघर्ष में।

3. अनेकान्तवाद : सभी में आत्मा का वास
प्रासंगिकता : पर्यावरणीय विमनीकरण को रोकने में क्योंकि उनमे भी प्राण का / आत्मा का वास

4. संयम व धैर्य : संयम के माध्यम से अनुव्रतों का पालन
प्रासंगिकता : उपभोक्तावादी समाज में प्रकृतिआधारित उपभोग की आवश्यकता

5. समानता का मूल्य सभी को समान मानना
प्रासंगिकता : संवैधानिक उद्देश्य : न्याय व बंधुत्व की प्राप्ति के लिए

Feedback
(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

यहाँ तक कि शासन में इस सिद्धांत का प्रयोग कर नैतिकशासन

b) "In contemporary times, social media platforms have emerged as powerful agents in shaping individual and societal attitudes." Do you agree with this view? Justify your answer.

(10 marks, 150 words)

"समकालीन समय में, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व्यक्तिगत और सामाजिक दृष्टिकोण को आकार देने में शक्तिशाली अभिकारक के रूप में उभरे हैं।" क्या आप इस दृष्टिकोण से सहमत हैं? अपने उत्तर का औचित्य स्पष्ट कीजिए।

(10 अंक, 150 शब्द)

तकनीकी प्रगति और वैश्वीकरण के परिणामस्वरूप सोशल मीडिया का आज व्यक्तिगत व सामाजिक जीवन में व्यापक रूप से दिखाई देता है।

विभिन्न सोशल मीडिया मंच
- इंस्टाग्राम
- व्हाट्सएप
- 'X'
- टेलीग्राम
- फेसबुक

व्यक्तिगत दृष्टिकोण को आकार

1. अनुरूपता के स्थान पर निजता आधारित दृष्टिकोण

→ आंशिक सहमति : क्योंकि डेटा सार्वभौमिकता के युग में निजता का महत्व बढ़ा है।

2. व्यक्तिवादी दृष्टिकोण में कि समुदायिक दृष्टिकोण

→ असहमति : क्योंकि व्यक्ति समाज का अभिन्न अंग है।

3. भौतिक दुनिया से वर्चुअल दुनिया

→ आंशिक सहमति : क्योंकि दूरगामी क्षेत्रों तक सुविधा, किंतु भौतिक जगत से भी जुड़ना चाहिए।

सामाजिक दृष्टिकोण को आकार

1. असहिष्णुता को अधिक स्थान

गैर सहमति : फेक खबरों के माध्यम से हिंसा को बढ़ावा

2. सामाजिक बंधनों में विच्छेद

→ गैर सहमति : क्योंकि आपसी बंधुत्व की आवश्यकता खास कर संकट के समय में

3. नये अवसर

→ सहमति : यह सेवा क्षेत्र के नये अवसर लाया है, जिससे रोजगार

Feedback
(For OFFICE use only)

#	©	Ⓐ	Ⓟ
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

अतः सोशल मीडिया दोधारी तलवार की तरह है और [illegible]

Q.6) a) What do you understand by the 'voice of conscience'? In what ways can you prepare yourself to listen to the voice of conscience? (10 marks, 150 words)

आप 'अंतरात्मा की आवाज़' से क्या समझते हैं? अंतरात्मा की आवाज़ सुनने के लिए आप खुद को किन तरीकों से तैयार कर सकते हैं? (10 अंक, 150 शब्द)

FORUM IAS

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

FORUM IAS

Feedback

(For OFFICE use only)

#	Ⓖ	Ⓐ	Ⓟ
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

b) Effective utilisation of public funds is not merely an administrative requirement but a moral responsibility of those entrusted with public office. However, instances of funds allocated to government schemes lying idle or being diverted towards extraneous purposes continue to be reported across the country. Examine the reasons for under-utilization and mis-utilization of public funds and their implications. (10 marks, 150 words)

सार्वजनिक निधियों का प्रभावी उपयोग केवल प्रशासनिक आवश्यकता नहीं है, बल्कि सार्वजनिक पद पर आसीन व्यक्तियों का नैतिक उत्तरदायित्त्व भी है। हालांकि, सरकारी योजनाओं के लिए आवंटित धन के व्यर्थ पड़े रहने या उद्देश्यों के इतर उपयोग किए जाने के मामले पूरे देश में सामने आते रहते हैं। सार्वजनिक निधियों के अल्प उपयोग और दुरुपयोग के कारणों और उनके निहितार्थों का परीक्षण करें। (10 अंक, 150 शब्द)

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

Feedback

(For OFFICE use only)

#	Ⓖ	Ⓐ	Ⓟ
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

Section - B

Q.7) A rail overbridge (ROB) is being planned in the capital city of a central Indian state. The project aims to reduce traffic congestion and ease delays at railway crossings, which affect thousands of daily commuters. It had been a long-standing demand of local residents, and the government approved it to address persistent traffic bottlenecks in the area. The project is to be executed by the State Public Works Department (PWD), with a strict completion deadline of one year i.e. 31st July 2026. The PWD Minister, who is also the local MLA, is scheduled to inaugurate the project in the third week of August 2026. This is planned to take place shortly before the expected announcement of state elections. Ramesh has been selected as the project manager of this prestigious assignment on the basis of his professional competence and experience.

While reviewing the approved design plans in preparation for execution, Ramesh identifies a serious flaw. The proposed alignment includes a sharp 90-degree turn, incorporated due to spatial constraints between an electrified railway line on one side and ongoing metro construction on the other. From a technical standpoint, Ramesh believes the design is unsafe. It increases the risk of vehicular accidents, especially for heavy vehicles, and may lead to long-term inconvenience for road users.

Ramesh promptly raises the issue with the Chief Engineer. However, the Chief Engineer overrules the concern. He states that the General Arrangement Drawing (GAD) has already been approved by the Bridge Engineering Department, in coordination with Indian Railways. He points out that revisiting the design at this stage shall result in project delays, increased expenditure, and unwanted political attention.

Subsequently, Ramesh comes to know that the contractor awarded the tender to execute the project is a close relative of the PWD Minister. He also receives unofficial communication suggesting that his promotion to Additional Chief Engineer is under active consideration, but could be jeopardised if he creates "unnecessary hurdles" in the project's timely completion.

The incumbent state government is eager to complete the overbridge before the elections and present it as a major developmental achievement. This adds to the pressure on Ramesh to expedite project execution without raising further objections. Nonetheless, he remains convinced that the current design is flawed and could have grave implications for public safety if left unaddressed.

Meanwhile, the bridge design has also attracted widespread public attention after being published in a leading local newspaper. Images of the sharp 90-degree turn went viral on social media, drawing criticism and ridicule. Several engineering experts have publicly flagged the alignment as a potential safety hazard, reinforcing Ramesh's concerns.

a) Under the given conditions, what are the options available to Ramesh as a project manager?

b) What are the ethical dilemmas being faced by Ramesh?

c) What are the professional challenges likely to be faced by Ramesh and his response to overcome such challenges? (20 marks, 250 words)

मध्य भारत के एक राज्य की राजधानी में एक रेल ओवरब्रिज (ROB) की योजना बनाई जा रही है। इस परियोजना का उद्देश्य यातायात के संकुलन को कम करना और रेलवे क्रॉसिंग पर देरी को कम करना है, जो हजारों यात्रियों को दैनिक रूप से प्रभावित करता है। यह स्थानीय निवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग थी, और सरकार ने क्षेत्र में लगातार यातायात की बाधाओं को दूर करने के लिए इसे मंजूरी दे दी। इस परियोजना को राज्य लोक निर्माण विभाग (PWD) द्वारा निष्पादित किया जाना है, जिसकी सख्त समय सीमा एक वर्ष यानी 31 जुलाई 2026 है। PWD मंत्री, जो स्थानीय विधायक भी हैं, अगस्त 2026 के तीसरे सप्ताह में इस परियोजना का उद्घाटन करने वाले हैं। यह राज्य चुनावों की अपेक्षित घोषणा से कुछ समय पहले होने

की योजना है। रमेश को उनकी पेशेवर क्षमता और अनुभव के आधार पर इस कार्य के प्रोजेक्ट मैनेजर के रूप में चुना गया है।

निष्पादन की तैयारी में स्वीकृत डिज़ाइन योजनाओं की समीक्षा करते समय, रमेश एक गंभीर दोष की पहचान करते हैं। प्रस्तावित संरेखण में एक तीव्र 90-डिग्री मोड़ शामिल है, जो एक तरफ विद्युतीकृत रेलवे लाइन और दूसरी तरफ चल रहे मेट्रो निर्माण के बीच स्थानिक बाधाओं के कारण शामिल किया गया है। तकनीकी दृष्टिकोण से, रमेश का मानना है कि डिज़ाइन असुरक्षित है। इससे वाहन दुर्घटनाओं का जोखिम बढ़ जाता है, खासकर भारी वाहनों के लिए, और सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए दीर्घकालिक असुविधा हो सकती है।

रमेश ने तुरंत मुख्य अभियंता के समक्ष इस मुद्दे को उठाया। हालांकि, मुख्य अभियंता ने चिंता को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे के समन्वय में ब्रिज इंजीनियरिंग विभाग द्वारा जनरल अरेंजमेंट ड्राइंग (GAD) को पहले ही मंजूरी दे दी गई है। उन्होंने बताया कि इस स्तर पर डिजाइन पर दोबारा विचार करने से परियोजना में देरी होगी, खर्च बढ़ेगा और अवांछित राजनीतिक ध्यान आकर्षित होगा।

इसके बाद, रमेश को पता चलता है कि जिस ठेकेदार को परियोजना को पूरा करने का टेंडर दिया गया है, वह पीडब्ल्यूडी मंत्री का करीबी रिश्तेदार है। उसे अनौपचारिक संदेश भी मिलता है जिसमें कहा गया है कि अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर उसकी पदोन्नति पर सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है, लेकिन अगर वह परियोजना के समय पर पूरा होने में "अनावश्यक बाधाएं" पैदा करता है तो उसकी पदोन्नति खतरे में पड़ सकती है।

मौजूदा राज्य सरकार चुनावों से पहले ओवरब्रिज का निर्माण पूरा करने और इसे एक बड़ी विकासात्मक उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत करने के लिए उत्सुक है। इससे रमेश पर बिना किसी और आपत्ति के परियोजना के निष्पादन में तेजी लाने का दबाव बढ़ जाता है। फिर भी, उनका मानना है कि मौजूदा डिजाइन में खामियाँ हैं और अगर इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो इससे सार्वजनिक सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ सकता है।

इस बीच, एक प्रमुख स्थानीय समाचार पत्र में प्रकाशित होने के बाद पुल के डिजाइन ने भी व्यापक रूप से लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। 90 डिग्री के तीव्र मोड़ की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं, जिससे आलोचना और उपहास का सामना करना पड़ा। कई इंजीनियरिंग विशेषज्ञों ने सार्वजनिक रूप से संरेखण को संभावित सुरक्षा खतरे के रूप में चिह्नित किया है, जिससे रमेश की चिंताएँ और भी पुष्ट होती हैं।

a) दी गई परिस्थितियों में, एक परियोजना प्रबंधक के रूप में रमेश के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं?

b) रमेश को किन नैतिक दुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है?

c) रमेश को किन व्यावसायिक चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है तथा ऐसी चुनौतियों पर नियंत्रण पाने के लिए उसकी क्या प्रतिक्रिया होनी चाहिये? (20 अंक, 250 शब्द)

उपरोक्त केस स्टडी एक लोक सेवक के रूप में रमेश के नैतिक दायित्वों, सार्वजनिक सुरक्षा व राजनीतिक दबाव में कार्य करने के दायित्वों का परीक्षण करता है।

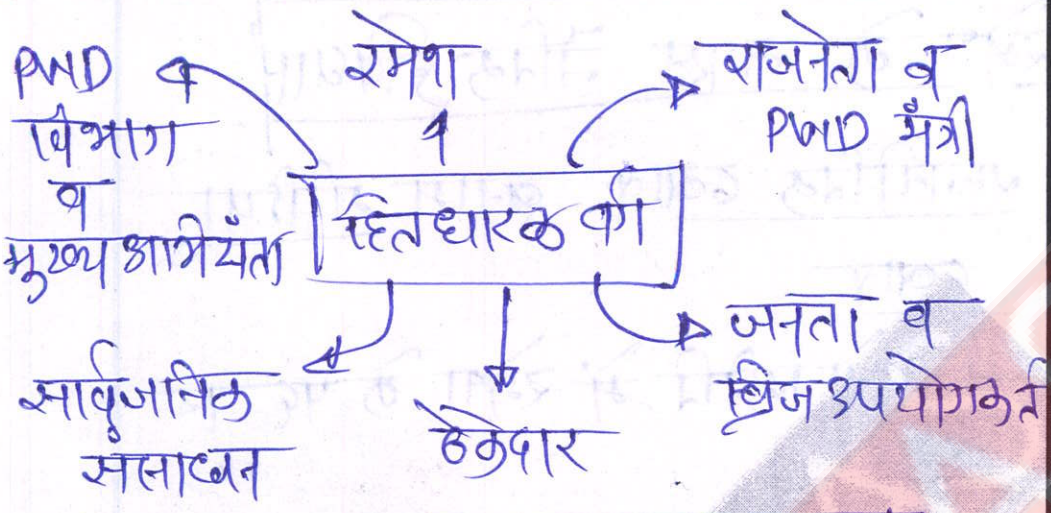

Q. परियोजना प्रबंधक के रूप में रेमेश के पास विकल्प

1. मुख्य अभियंता की सलाह के अनुरूप निर्माण कार्य जारी रखना।

2. राजनीतिक दबाव के बाद भी अखंडता से निर्माण कार्य को रोकना।

3. मीडिया दबाव
   - की अनदेखी 'या' करना
   - पारदर्शिता स्थापित करना

4. मध्यमार्ग

b. रमेश के समक्ष नैतिक दुविधाएं

1. राजनीतिक दबाव बनाम मीडिया दबाव
→ दोनो स्थिति में रमेश के पद पर संकट
2. सार्वजनिक कर्तव्य : सुरक्षा का ध्यान रखना
3. निजीहित : पदोन्नती से संबंधित
4. chain of command : मुख्य अभियंता का अनैतिक आदेश के पालन करने में दुविधा।
5. साहस व सत्यनिष्ठा का परीक्षण।

c. रमेश के सामने व्यावसायिक चुनौती

A. पदोन्नती के रुकने का भय
B. स्थानांतरण या निलंबन संभावित
C. अपने वरीष्ठ से सहयोग न मिलना
D. विभिन्न विभागों में सामञ्जस्य न होने से सार्वजनिक संसाधनों की हानि

E. बाधाओं के आने से विकास कार्य में देरी

६० चुनौतियों के नियंत्रण पाने में भूमिका

प्रक्रिया

1. परिणामनिरपेक्ष सिद्धांत से पदोन्नति की चिंता नहीं करना।
2. पारदर्शिता के लिए अपने findings का उचित दस्तावेजीकरण आवश्यक
3. अनुनयन के माध्यम से राजनेता को समझाने का प्रयास करना
4. मीडिया के भी दबाव में नहीं आना बल्कि यह स्पष्ट करना कि आरोपियों का पता लगाया जा चुका है।
5. उपयोगितावाद व न्याय सिद्धांत से संचालित होना
 - क्योंकि छिप जाने से अधिकतम लोगों की हानि
 - और गलत जान-माल की हानि संभावित, जो कि निर्दोषों से प्रति अन्याय।

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

इस प्रकार सत्यनिष्ठा के माध्यम साहस के साथ काम करने की आवश्यकता है।

Q.8) Srushti is a young and dynamic IPS officer, posted as Assistant Superintendent of Police (ASP) in a communally sensitive district. Her husband, Arjun, is an IAS officer and posted as Sub-Divisional Magistrate (SDM) in the same district. Both are honest, sincere and deeply committed to their work. They have a daughter who is just four months old, and is looked after by a domestic helper. Srushti resumed duty just two weeks ago after six months of maternity leave.

At 9 PM on Saturday night, Srushti is in her office reviewing the security arrangements with her team for an upcoming local festival. The situation in the area has been tense throughout the week due to a flare-up between two communities over a petty issue. Around 9:30 PM, she gets a call from the Superintendent of Police. He asks her to prepare a detailed law and order brief for a high-level meeting the next morning.

Srushti reaches home at 10 PM, feeling exhausted. She has not been getting proper sleep during the week due to frequent night patrolling. Arjun also returns around the same time after a long day in the field. Their daughter has been unwell and cried through most of the previous night. Arjun expresses concern about Srushti's heavy workload and the baby's condition. He tells her that she can not keep pushing herself like this and that the child needs more of her attention. Srushti replies that she cannot afford to step back. She adds that people are already judging her and questioning her commitment to work for availing maternity leave. The conversation gradually turns into an argument. Arjun feels Srushti is ignoring her health and family, while Srushti feels judged and unsupported.

Later that night, as Srushti sits at her desk preparing the report, she pauses and reflects on the purpose of her work. She had joined the IPS to serve the people and protect the vulnerable. But now, she wonders if she is being fair to her own child and family. Even as recently as last week, she had to cancel the family dinner as she had to attend an urgent meeting at the SP office. She also feels the weight of expectations. Male officers with children are rarely questioned. But as a new mother, she is constantly under scrutiny. Many in the department believe that women, especially new mothers, are not suitable for field duty.

Srushti starts thinking about her options. She knows that whatever decision she makes will not only impact her own future but also influence the expectations placed on other working mothers in uniform.

a) What are the ethical issues involved in the above case?

b) Evaluate the options available to Srushti in the above situation.

c) What suggestions would you make to help officers like Srushti maintain a healthy work-life balance.

(20 marks, 250 words)

सृष्टि एक युवा और ऊर्जावान आईपीएस अधिकारी हैं, जो सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील जिले में सहायक पुलिस अधीक्षक (ASP) के पद पर तैनात हैं। उनके पति अर्जुन एक आईएएस अधिकारी हैं और उसी जिले में उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (SDM) के पद पर तैनात हैं। दोनों ही ईमानदार, निष्ठावान और अपने कार्य के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं। उनकी एक बेटी है जो अभी चार महीने की है और उसकी देखभाल एक घरेलू सहायिका करती है। सृष्टि ने छह महीने की मातृत्व अवकाश के बाद दो सप्ताह पहले ही ड्यूटी फिर से शुरू की है।

शनिवार रात 9 बजे सृष्टि अपने कार्यालय में अपनी टीम के साथ आगामी स्थानीय त्यौहार के लिए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा कर रही थी। एक छोटी सी बात पर दो समुदायों के बीच झगड़े के कारण पूरे सप्ताह क्षेत्र में स्थिति तनावपूर्ण रही। रात करीब 9:30 बजे उसे पुलिस अधीक्षक का फोन आता है। वह उसे अगली सुबह एक उच्च स्तरीय बैठक के लिए विस्तृत कानून व्यवस्था तैयार करने के लिए कहते है।

सृष्टि रात 10 बजे घर पहुँचती है, उसे बहुत थकान महसूस होती है। रात में लगातार गश्त करने के कारण वह पूरे सप्ताह ठीक से सो नहीं पाती है। अर्जुन भी क्षेत्र में एक लंबा दिन बिताने के बाद लगभग उसी समय लौटता है। उनकी बेटी की तबीयत खराब थी और वह पिछली रात ज्यादातर समय रोती रही। अर्जुन सृष्टि के भारी कार्यभार और बच्चे की स्थिति के बारे में चिंता

व्यक्त करता है। वह उससे कहता है कि वह खुद को इस तरह से नहीं रख सकती और बच्चे को उसके अधिक ध्यान की आवश्यकता है। सृष्टि जवाब देती है कि वह पीछे हटने का जोखिम नहीं उठा सकती। वह कहती है कि लोग पहले से ही उसका आकलन रहे हैं और मातृत्व अवकाश लेने के लिए काम करने की उसकी प्रतिबद्धता पर सवाल उठा रहे हैं। बातचीत धीरे-धीरे बहस में बदल जाती है। अर्जुन को लगता है कि सृष्टि उसके स्वास्थ्य और परिवार को नजरअंदाज कर रही है, जबकि सृष्टि खुद को आकलित और असमर्थित महसूस करती है।

उस रात बाद में, जब सृष्टि अपनी डेस्क पर रिपोर्ट तैयार करने बैठी थी, तो वह रुकी और अपने काम के उद्देश्य पर विचार किया। वह लोगों की सेवा करने और कमज़ोर लोगों की रक्षा करने के लिए IPS में शामिल हुई थी। लेकिन अब, उसे आश्चर्य हो रहा है कि क्या वह अपने बच्चे और परिवार के साथ न्याय कर रही है। पिछले हफ़्ते भी उसे पारिवारिक भोज रद्द करना पड़ा क्योंकि उसे SP कार्यालय में एक ज़रूरी मीटिंग में शामिल होना था। वह अपेक्षाओं का बोझ भी महसूस करती है। बच्चों वाले पुरुष अधिकारियों से शायद ही कभी पूछताछ की जाती है। लेकिन एक नई माँ के रूप में, वह लगातार जांच के दायरे में रहती है। विभाग में कई लोग मानते हैं कि महिलाएँ, खासकर नई माँएँ, फ़ील्ड ड्यूटी के लिए उपयुक्त नहीं हैं।

सृष्टि अपने विकल्पों के बारे में सोचना शुरू कर देती है। वह जानती है कि वह जो भी निर्णय लेगी, उसका न केवल उसके भविष्य पर असर पड़ेगा, बल्कि वर्दी में काम करने वाली अन्य माताओं की अपेक्षाओं पर भी असर पड़ेगा।

a) उपर्युक्त मामले में नैतिक मुद्दे क्या हैं?

b) उपरोक्त स्थिति में सृष्टि के लिए उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन करें।

c) सृष्टि जैसे अधिकारियों को स्वस्थ कार्य-जीवन संतुलन बनाए रखने में मदद करने के लिए आप क्या सुझाव देंगे?

(20 अंक, 250 शब्द)

दिल्ली में उत्तराखण्ड कैडर की एक IPS अधिकारी ने पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से त्यागपत्र दिया। यह घटना महिलाओं के प्रति दोहरेबोझ की स्थिति व work life Balance को प्रकाशित करती है।

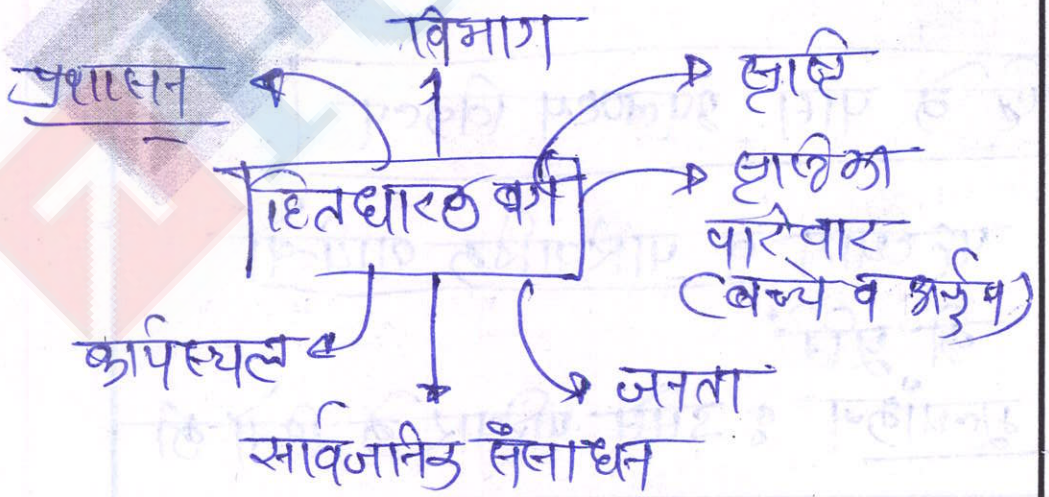

4. नैतिक मुद्दे

1. वर्क लाइफ संतुलन : एक लोक सेवक के दायित्व का वितरण
2. दोहराबोझ : सामाजिक रूप से महिलाओं पर घर की परिवार की अधिक जिम्मेदारी
3. भावनात्मक थकान (Emotional Burnout) : कार्यस्थल की थकान व घर में राहत नहीं
4. निजी दायित्व / सत्यनिष्ठा
स्वयं के विकास पर ध्यान न होने से प्रशासनिक उत्पादकता भी प्रभावित

5. सृष्टि के पास उपलब्ध विकल्प

1. पद त्याग व पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति
मूल्यांकन : इससे परिवार के हितों की पूर्ति होगी किंतु निजी स्वतंत्रता व निर्णयक्षमता प्रभावित होगा।

2. विभाग को अपनी स्थिति के बारे में स्पष्टीकरण देना।

मूल्यांकन : इससे विभाग व छात्र के बीच उचित संवाद व संवेदशीलता आयेगी।

3. मध्यममार्ग का अनुसरण

→ वर्क और लाइफ के बीच एक निश्चित सीमा रेखा का निर्माण

→ पति अर्जुन से भी पारिवारिक दायित्वों के प्रति सकारात्मक चर्चा

→ एक समय सीमा के बाद कार्य स्थल से मुक्ति (छुट्टी)

→ अपने बचे हुए कामों के लिए एक निश्चित समय अवधि का निर्धारण

→ Atomic Habit का अनुसरण करते हुए आदतों में छोटे छोटे सुधार करना।

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

c. कार्य संतुलन बनाने के लिए सुझाव

1. कार्यों का उचित डेलिगेशन अर्थात अपने टीम प्रबंधन में कामों के उचित वितरण
→ इससे कम समय में अधिक उत्पादकता और टीम स्पीरीट

2. परिवार के दायित्वों का भी समवितरण → कार्यकारी पत्नी व पति का बच्चे व परिवार के साथ समान समय व्यतीत करना।

3. निजी विकास (self growth) : मेडिटेशन, चिंतन, योग के माध्यम से भावनात्मक थकान को दूर करना।

4. संस्थागत सुधार की पहल ताकि अनुपस्थिति पर भी बच्चों के विकास के दायित्व को सुनिश्चित करे
→ और पति को भी पितृत्व अवकाश।

Feedback (For OFFICE use only)

#	Ⓖ	Ⓐ	Ⓟ
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

एक अच्छा मन प्रशासन में भी अधिक उत्पादक हो सकता है।

Q.9) A reputed Indian beauty & personal care company developed a herbal skin cream for the international market, claiming anti-ageing and skin-repair properties based on traditional Ayurvedic formulations. After obtaining the necessary approvals and export certifications, the company began exporting the product. The product received widespread positive feedback for its quality and natural formulation, and soon became a huge hit in international markets. Riding on this success, the company announced that the product would soon be made available to domestic consumers, with almost the same quality and health benefits.

Subsequently, it secured approval from the domestic regulatory authority and launched the product in the Indian market. Over time, the brand gained a significant share of the domestic market and earned substantial revenues both nationally and internationally.

However, during a random sample check, officials discovered that the cream sold in India differed from the version approved by the competent authority. The product failed to meet the claimed herbal composition and purity standards. Further investigation revealed that the company had often been distributing batches that had failed export quality checks.

The incident triggered widespread public criticism and regulatory scrutiny, leading to a sharp decline in the company's reputation and financial performance.

a) Discuss the ethical issues involved in the case.

b) What actions should the competent regulatory authority take against the personal care company for violating domestic quality standards and distributing rejected export batches in the Indian market?

c) What course of action is available to the company to manage the crisis and restore public trust and brand credibility?

(20 marks, 250 words)

एक प्रतिष्ठित भारतीय सौंदर्य और व्यक्तिगत देखभाल कंपनी ने अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए एक हर्बल त्वचा क्रीम विकसित की, जिसमें पारंपरिक आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन के आधार पर एंटी-एजिंग और त्वचा की मरम्मत के गुणों का दावा किया गया। आवश्यक अनुमोदन और निर्यात प्रमाणपत्र प्राप्त करने के बाद, कंपनी ने उत्पाद का निर्यात करना शुरू कर दिया। उत्पाद को इसकी गुणवत्ता और प्राकृतिक फॉर्मूलेशन के लिए व्यापक सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, और जल्द ही अंतरराष्ट्रीय बाजारों में एक बड़ी हिट बन गई। इस सफलता पर सवार होकर, कंपनी ने घोषणा की कि उत्पाद जल्द ही घरेलू उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध कराया जाएगा, जिसमें लगभग समान गुणवत्ता और स्वास्थ्य लाभ होंगे।

इसके बाद, इसने घरेलू विनियामक प्राधिकरण से मंजूरी हासिल की और उत्पाद को भारतीय बाजार में लॉन्च किया। समय के साथ, ब्रांड ने घरेलू बाजार में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी हासिल कर ली और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पर्याप्त राजस्व अर्जित किया।

हालांकि, एक यादृच्छिक प्रतिदर्श परीक्षण के दौरान, अधिकारियों ने पाया कि भारत में बेची जाने वाली क्रीम सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित संस्करण से भिन्न थी। उत्पाद दावा किए गए हर्बल संरचना और शुद्धता मानकों को पूरा करने में विफल रहा। आगे की जाँच से पता चला कि कंपनी अक्सर ऐसे बैच वितरित कर रही थी जो निर्यात गुणवत्ता जांच में विफल रहे थे।

इस घटना के कारण व्यापक सार्वजनिक आलोचना और विनियामक जांच शुरू हो गई, जिसके परिणामस्वरूप कंपनी की प्रतिष्ठा और वित्तीय प्रदर्शन में भारी गिरावट आई।

a) मामले में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा करें।

b) घरेलू गुणवत्ता मानकों का उल्लंघन करने और अस्वीकृत निर्यात बैचों को भारतीय बाजार में वितरित करने के लिए सक्षम नियामक प्राधिकरण को व्यक्तिगत देखभाल कंपनी के खिलाफ क्या कार्रवाई करनी चाहिए?

c) संकट का प्रबंधन करने तथा जनता का विश्वास और ब्रांड विश्वसनीयता बहाल करने के लिए कंपनी के पास क्या विकल्प उपलब्ध है?

(20 अंक, 250 शब्द)

उपरोक्त केस स्टडी व्यावसायिक नैतिकता पर आधारित है।

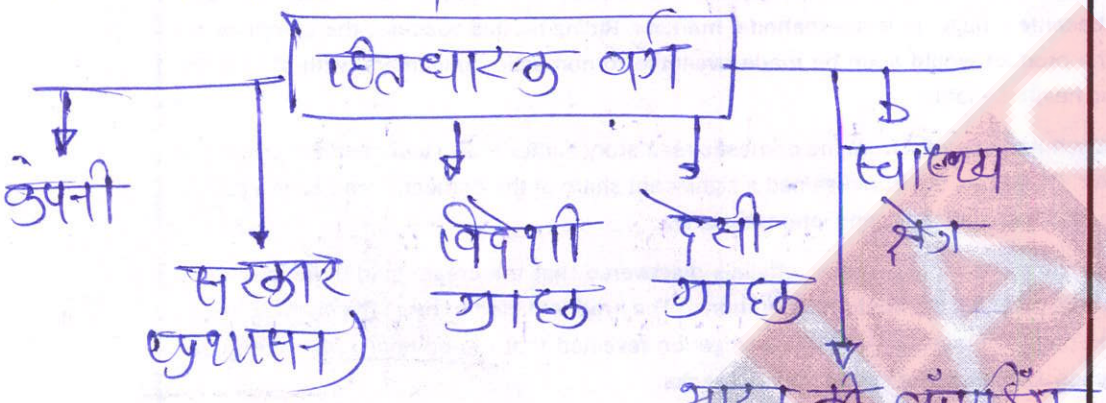

a. मामले में शामिल नैतिक मुद्दे

1. व्यावसायिक सत्यनिष्ठा की अनुपस्थिति
2. प्रक्रियागत कमी और प्रमाणीकरण
3. स्वास्थ्य के प्रति गैर जिम्मेदारी
4. भारतीय बाजार का अनैतिक प्रयोग
5. व्यावसायिक लाभ बनाम सार्वजनिक हित
6. नियमों का पालन नहीं - गैरकानूनी गतिविधि।

ख) नियामक प्राधिकरण को कार्यवाही करनी चाहिए

1. लाइसेंस या NOC को तुरंत निलंबित करने की आवश्यकता
2. गैरकानूनी प्रयासों को न्यायालय के समक्ष ले जाना और उचित जिम्मेदारी तय करना

घ) युनियन कार्बाइड वाद

3. कंपनी के अन्य उत्पादों की भी उचित प्रक्रिया से जाँच
4. पहले प्रमाणपत्र जारी करने वाले प्राधिकारी से भी स्पष्टीकरण।
5. उचित हर्जाना आरोपित करना

न केवल कंपनी पर कार्यवाही

→ बल्कि, जनता को उत्पाद के प्रति जागरुक करना ताकि प्रयोग करने से बचे।

c) कंपनी के पास विकल्प

1. अपनी गलतियों/अपराधों को स्वीकार करना
2. अपराध/गलतियों के कारणों को पारदर्शी रूप से सामने रखना
3. उचित हर्जाना और क्षतिपूर्ति अदा करना।
4. आने वाले गतिविधियों के प्रति भी अधिकतम पारदर्शिता
5. अनैतिक निर्णय लेने वाले शीर्षस्थ कर्मचारी की बर्खास्तगी।
6. सामाजिक दायित्व कोष की स्थापना
7. 4P नीति का पालन →

इसी संदर्भ में हेनरी फोर्ड ने कहा है - "वह व्यवसाय जो केवल पैसा बनाता है संबंध नहीं वह निहायती घटिया व्यवसाय है"

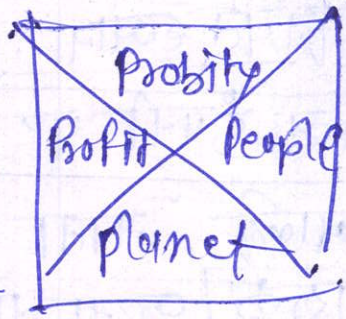

Feedback
(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

Q.10) A forest fire has broken out in a hilly district and is rapidly spreading toward an eco-sensitive area that includes four villages (ESA villages). These villages lie along the forest fringe and are surrounded by difficult terrain. The region is known for its biodiversity and traditional forest-based livelihoods. The inhabitants of these villages are mostly poor tribal communities, dependent on forest resources for their sustenance.

You, as the District Magistrate of the area, have rushed to the spot with a medical team, police personnel, NGOs, media, and support staff to oversee the rescue and containment operations. Your disaster response team on the ground is small and poorly equipped. Reinforcements from the district headquarter have been requested, but they may take several hours to arrive due to the remoteness and challenging terrain.

In the meantime, a group of trained ex-forest guards and local youth from the villages offer to help. They are experienced and familiar with the area. However, existing government rules do not permit the engagement of unofficial personnel in fire control operations without formal clearance and insurance coverage.

Your team members are divided on this issue. Some members argue that volunteers should be engaged immediately to prevent the fire from spreading. Others caution that involving them without proper approval and safety cover could be risky and against protocol.

As the District Magistrate, you are also the Chairperson of the District Disaster Management Authority (DDMA). The fire is spreading at a very rapid rate, and immediate action is required to protect lives, property, and the environment. You are now in a dilemma.

a) What are the options available to you?

b) Critically evaluate each of the options identified by you.

c) What option would you adopt and why?

d) What are the ethical dilemmas being faced by you? (20 marks, 250 words)

एक पहाड़ी जिले के जंगल में आग लग गई और यह तेजी से एक पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्र की ओर फैल रही है जिसमें चार गांव (ESA गांव) शामिल हैं। ये गांव जंगल के किनारे बसे हैं और दुर्गम इलाकों से घिरे हैं। यह क्षेत्र अपनी जैव विविधता और पारंपरिक वन-आधारित आजीविका के लिए जाना जाता है। इन गांवों के निवासी ज्यादातर गरीब आदिवासी समुदाय हैं, जो अपने जीवनयापन के लिए वन संसाधनों पर निर्भर हैं।

क्षेत्र के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में, आप बचाव और नियंत्रण कार्यों की देखरेख के लिए एक मेडिकल टीम, पुलिस कर्मियों, गैर सरकारी संगठनों, मीडिया और सहायक कर्मचारियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे हैं। जमीन पर आपकी आपदा प्रतिक्रिया टीम छोटी और खराब रूप से सुसज्जित है। जिला मुख्यालय से सुदृढीकरण का अनुरोध किया गया है, लेकिन दूरदराज और चुनौतीपूर्ण इलाके के कारण उन्हें पहुंचने में कई घंटे लग सकते हैं।

इस बीच, प्रशिक्षित पूर्व वन रक्षकों और गांवों के स्थानीय युवाओं का एक समूह मदद करने की पेशकश करता है। वे अनुभवी हैं और क्षेत्र से परिचित हैं। हालाँकि, मौजूदा सरकारी नियम औपचारिक मंजूरी और बीमा कवरेज के बिना अग्नि नियंत्रण कार्यों में अनौपचारिक कर्मियों को शामिल करने की अनुमति नहीं देते हैं।

इस मुद्दे पर आपकी टीम के सदस्य विभाजित हैं। कुछ सदस्यों का तर्क है कि आग को फैलने से रोकने के लिए स्वयंसेवकों को तुरंत काम पर लगाया जाना चाहिए। अन्य लोग चेतावनी देते हैं कि उचित स्वीकृति और सुरक्षा कवर के बिना उन्हें शामिल करना जोखिम भरा और प्रोटोकॉल के विरुद्ध हो सकता है।

जिला मजिस्ट्रेट होने के नाते आप जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (DDMA) के अध्यक्ष भी हैं। आग बहुत तेजी से फैल रही है और जान-माल तथा पर्यावरण की सुरक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। अब आप दुविधा में हैं।

a) आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं?

b) आपके द्वारा पहचाने गए प्रत्येक विकल्प का आलोचनात्मक मूल्यांकन करें।

c) आप कौन सा विकल्प अपनाएंगे और क्यों?

d) आपके सामने कौन सी नैतिक दुविधाएं हैं? (20 अंक, 250 शब्द)

उपरोक्त केस स्टडी आपदा प्रबंधन, और आपदा के दौरान आने वाली नैतिक द्वंद्वों का परीक्षण करती है।

हितधारक वर्ग

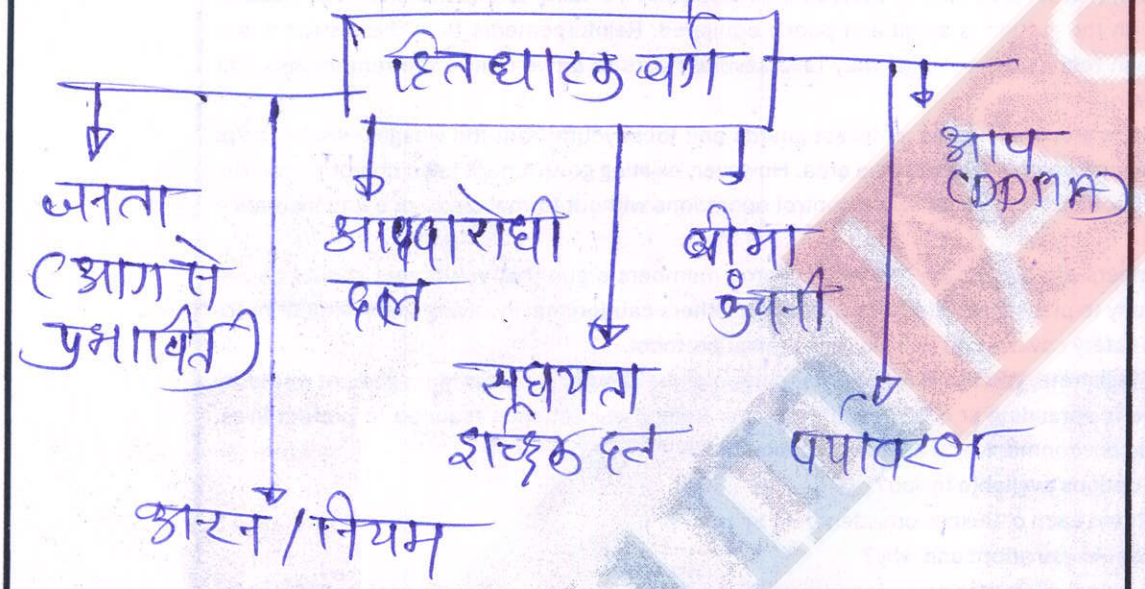

- जनता (आग से प्रभावित)
- कानून/नियम
- अधिकारी दल
- सहायता राहत दल
- बीमा कंपनी
- आप (DDMA)
- पर्यावरण

a. उपलब्ध विकल्प

1. प्रबंधन स्टाफ व स्थानीय युवाओं को शामिल करना।
2. I-II शामिल नहीं करना क्योंकि नियम विरोधी
3. सूचनात्मक निर्णय

b + c. पहचाने गये विकल्प का आलोचनात्मक विवरण + अपनाया गया विकल्प

1. शामिल करना + 2. शामिल नहीं करना

+ve
- आपदा में त्वरित सहायता
- आपदा प्रभावितों की जीवन रक्षा
- प्राथमिकता अतः मय क्रम

-ve
- नियमों के विपरीत (नियम आधारित सत्यनिष्ठा प्रभावित)
- यदि इनकी जान गयी तो दायित्व
- बीमा नहीं मिलना

2. सृजनात्मक निर्णय

A. उपयोगितावादी सिद्धांतों से परिचालित होकर, पूर्वक प्रतीत्क के शामिल करना
- इससे अधिकतम लोगों के जीवन की रक्षा संभव
- बीमा से अधिक महत्व लोगों के जीवन को देना

(e) प. बंगाल खेत मजदूर सामी विवाद — जीवन व स्वास्थ्य का दायित्व सरकार पर है (A. 21)

B० न्यायसिद्धांत उपागम
→ इसमें आपदा से राहत पाकर
a न्याय की स्थापना
→ नियमों की अनदेखी की जा सकती है यदि वह बड़े संकट का समाधान करती हो (IPC (BNS) sec 81)

C० साधन की पवित्रता
→ वस्तुतः पूर्व वनकर्मचारी प्रशंसित है
→ लेकिन स्थानीय युवाओं से सीमित बाध्यता की क्या पूर्ण प्रशंसित नहीं

d० नैतिक दुविधाएं

1० नियमों का पालन बनाम कर्तव्यों का पालन
2० बीमा बनाम जीवन
3० विवेकशीलता बनाम कानूनी निर्णय
4० साहसपूर्ण जिम्मेदारी : नियमों से हटकर निर्णय लेने में

#	Ⓖ	Ⓐ	Ⓟ
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Feedback (For OFFICE use only)
Please put tick marks in the above table. Here G is Good, A is Average and P is Poor.
TOTAL MARKS

5० करुणा बनाम सत्यनिष्ठा

Q.11) In one of the government primary schools located in a rural block of a district, the newly appointed headmistress observed an unusual practice. The school had been preparing and serving mid-day meals separately to students belonging to different communities. Although the meals were cooked using a common gas connection, separate utensils, cooking areas, and serving arrangements had been in place for more than two decades. Students from the two communities had their food cooked and served by different cooks and ate in separate classrooms, despite attending classes together.

After taking charge, the headmistress decided to discontinue this practice. She directed that food be prepared and served together for all students, using a common kitchen and utensils. However, the decision triggered backlash. A considerable number of parents across communities vehemently opposed the move and stopped sending their children to school. Consequently, attendance fell by almost 60 percent. This also raised concerns regarding the possible discontinuation of the mid-day meal scheme, withdrawal of teaching staff, and even closure of the school due to falling enrolment. The issue has attracted attention from various political and social groups attempting to further polarise the situation and serve their vested interests.

Marpi Apang, the District Education Officer (DEO), has been tasked by the Deputy Commissioner's office to amicably resolve the matter at the earliest. She has also been directed to submit a detailed report along with the Action Taken Report within a fortnight.

a) Identify the ethical issues involved in this case.

b) What course of action should Marpi adopt and why?

c) What should be the responsibilities of different social segments and agencies to create positive social ambiance for accepting such changes? (20 marks, 250 words)

जिले के ग्रामीण ब्लॉक में स्थित एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय में, नवनियुक्त प्रधानाध्यापिका ने एक असामान्य प्रथा देखी। विद्यालय में अलग-अलग समुदायों के छात्रों के लिए अलग-अलग मध्याह्न भोजन तैयार किया जाता था और परोसा जाता था। हालाँकि भोजन एक ही गैस कनेक्शन का उपयोग करके पकाया जाता था, लेकिन अलग-अलग बर्तन, खाना पकाने के क्षेत्र और परोसने की व्यवस्था दो दशकों से अधिक समय से चली आ रही थी। दोनों समुदायों के छात्रों का भोजन अलग-अलग रसोइयों द्वारा पकाया और परोसा जाता था और वे एक साथ कक्षाओं में उपस्थित होने के बावजूद अलग-अलग कक्षाओं में खाते थे।

कार्यभार संभालने के बाद, प्रधानाध्यापिका ने इस प्रथा को बंद करने का फैसला किया। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी छात्रों के लिए एक ही रसोई और बर्तनों का उपयोग करके भोजन तैयार किया जाए और परोसा जाए। हालांकि, इस निर्णय का विरोध शुरू हो गया। विभिन्न समुदायों के काफी संख्या में अभिभावकों ने इस कदम का कड़ा विरोध किया और अपने बच्चों को स्कूल भेजना बंद कर दिया। नतीजतन, उपस्थिति में लगभग 60 प्रतिशत की गिरावट आई। इससे मिड-डे मील योजना के बंद होने, शिक्षण कर्मचारियों को वापस बुलाने और यहां तक कि नामांकन में गिरावट के कारण स्कूल बंद होने की आशंका भी जताई गई। इस मुद्दे ने विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक समूहों का ध्यान आकर्षित किया है जो स्थिति को और अधिक ध्रुवीकृत करने और अपने निहित स्वार्थों को पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी (DEO) मार्पी अपांग को डिप्टी कमिश्नर कार्यालय द्वारा मामले को जल्द से जल्द सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने का काम सौंपा गया है। उन्हें एक पखवाड़े के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट के साथ एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया गया है।

a) इस मामले में शामिल नैतिक मुद्दों की पहचान करें।

b) मार्पी को क्या कार्यवाही अपनानी चाहिए और क्यों?

c) ऐसे परिवर्तनों को स्वीकार करने के लिए सकारात्मक सामाजिक माहौल बनाने हेतु विभिन्न सामाजिक वर्गों और एजेंसियों का क्या उत्तरदायित्व होना चाहिए? (20 अंक, 250 शब्द)

यह इस तरह अन्यायपूर्ण सामाजिक व्यवस्था और असर सामने करने पर सामाजिक प्रशासनिक दबावों पर आधारित थी

Q. नैतिक मुद्दा की पहचान

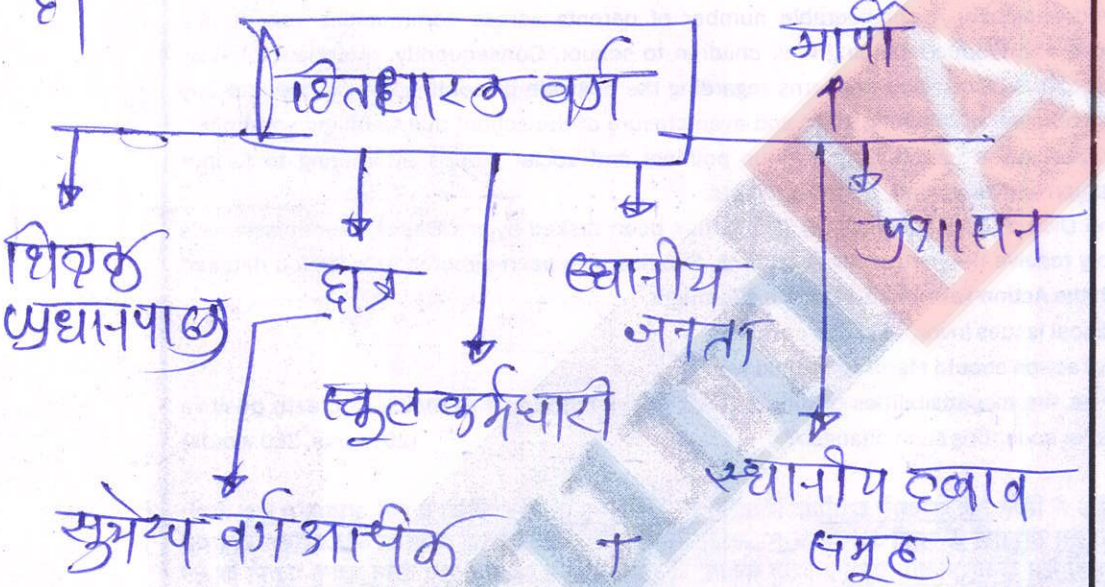

1. जाति आधारित सामाजिक विभाजन
2. समानता व अस्पृश्यता जो कि मौलिक अधिकारों के विपरीत

३. सामाजिक-प्रशासनिक दबाव की कार्यशैली और अन्याय की साथ

५. रूढ़िवाद बनाम प्रगतिशीलता

६. साहस और सत्य बनाम सामंजस्य और परंपरा

७. मार्था को क्या कार्यवाही अपनाना चाहिए और क्यों

१. विकल्प : डिप्टी कमीश्नर के सलाह के अनुरूप प्रधान पाठक का स्थानांतरण व समस्या का निपटारा

२. विकल्प : प्रधानपाठक से चर्चा व परंपरागत पद्धति में स्कूल का चलाना

३. विकल्प : संवाद स्थापित करना

जनता, प्रधानपाठक, दबावसमूह के बीच

4. विकल्प : संवाद में सुधार को प्राथमिकता देते हुए अनुनयन का प्रयास।

क्यों : यदि डिप्टी कमीश्नर के सलाह को माना जाए, तो -

1. यह सुमेध वर्मा व प्रधानपाठक के प्रति अन्याय होगा।
2. रूढ़िवाद और ताकत से स्थापित होगी।
3. नवाचार के लिए कोई साहस नहीं करेगा।

प्रधानपाठक से सलाह, तो

1. प्रधानपाठक से चर्चा कर वास्तविक स्थिति को जाना जा सकता है।
2. नये विकल्पों की जाँच की जा सकती है।

संवाद से सुधार, क्योंकि

इससे समाज में सहभागिता की भावना आयेगी और सुधारक निर्णय के प्रति अपनत्व होगा।

→ इससे दबाव समूह गैर संवैधानिक मांगों को मीडिया के समक्ष नहीं रख पायेगा।

→ निर्णय प्रक्रिया में सभी वर्गों की भागीदारी (रॉल्स का न्याय सिद्धांत)

→ स्कूल की प्रक्रिया में सुधार।

सकारात्मक सुधार में सामाजिक वर्गों की दायित्व

- ऐतिहासिक परंपरा का त्याग करना
- संवैधानिक मूल्यों से सामंजस्य
- संवाद के माध्यम से निर्णय लेना
- सभी वर्गों के लिए समावेशी परंपरा बनाना
- 20वीं सदी के समाजसुधारकों से प्रेरित होना

Feedback
(For OFFICE use only)

#	Ⓒ	Ⓐ	Ⓟ
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

"समाज में लोकतंत्र के बिना राज्य में लोकतंत्र अधूरा है" - डॉ अंबेडकर

Q.12) You are a Municipal Commissioner of a tier-2 city experiencing rapid urban expansion. Several high-rise residential and commercial buildings are under construction in the city to meet the growing demand for housing. One such luxury residential complex is being built, employing hundreds of daily-wage labourers, many of whom live in temporary settlements at the construction site. Late one night during the monsoon season, a large section of scaffolding and concrete slabs collapses from the upper floors of one of the under-construction buildings. Seven labourers, including two minors, die on the spot. Several others are critically injured and rushed to the hospital. The tragic incident results in public outrage, intense media scrutiny, and protests by a local NGO. The state government orders a formal inquiry and directs you to submit a report within a week. Your preliminary investigation reveals a series of irregularities. The construction material used is substandard and not in accordance with the National Building Code. Although the approved plan permits construction of fifteen floors, the builder has illegally added two extra floors. Moreover, the structure has encroached on land demarcated for a community park and a fire service lane under the city's Zonal Development Plan. These violations are not reported during site inspections conducted by the building inspector of the municipal corporation. The building clearance was granted during the tenure of your predecessor, who is not only your batchmate but also a close friend. Both of you were roommates during your training at LBSNAA. Prima facie, the case appears to involve a widespread nexus between officials of the Municipal Corporation and the builder. Your colleagues are putting pressure on you to go slow in the inquiry. Some of them suggest that holding the builder accountable could damage the city's image among investors and slow down urban development. Meanwhile, you come to know that the builder is the younger brother of a powerful minister in the state cabinet. One evening, his personal aide visits you privately. He suggests that the matter could be "mutually settled" and offers you a premium apartment worth ₹2 crore in the same residential complex. In the same breath, he hints that if the matter is not resolved swiftly in the builder's favour, someone in his office is prepared to file a complaint against you under the SC and ST (Prevention of Atrocities) Act.

a) Discuss the ethical issues involved in the case.

b) What are the options available to you in this situation?

c) Explain your selected course of action. (20 marks, 250 words)

आप एक टियर-2 शहर के नगर आयुक्त हैं, जो तेजी से शहरी विस्तार का अनुभव कर रहा है। आवास की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए शहर में कई ऊँची आवासीय और व्यावसायिक इमारतों का निर्माण किया जा रहा है। ऐसा ही एक आलीशान आवासीय परिसर बनाया जा रहा है, जिसमें सैकड़ों दिहाड़ी मजदूर काम करते हैं , जिनमें से कई निर्माण स्थल पर अस्थायी बस्तियों में रहते हैं। मानसून के मौसम में देर रात, निर्माणाधीन इमारतों में से एक की ऊपरी मंजिलों से मचान और कंक्रीट स्लैब का एक बड़ा हिस्सा गिर गया। दो नाबालिगों सहित सात मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। इस दुखद घटना के परिणामस्वरूप सार्वजनिक आक्रोश, मीडिया की गहन जांच और एक स्थानीय गैर सरकारी संगठन द्वारा विरोध प्रदर्शन हुआ। राज्य सरकार एक औपचारिक जांच का आदेश देती है और आपको एक सप्ताह के भीतर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश देती है। आपकी प्रारंभिक जांच में कई अनियमितताओं का पता चलता है। उपयोग की गई निर्माण सामग्री घटिया है और राष्ट्रीय भवन संहिता के अनुसार नहीं है। हालाँकि स्वीकृत योजना पंद्रह मंजिलों के निर्माण की अनुमति देती है, लेकिन बिल्डर ने अवैध रूप से दो अतिरिक्त मंजिलें जोड़ दी हैं। इसके अलावा, संरचना ने शहर की क्षेत्रीय विकास योजना के तहत एक सामुदायिक पार्क और एक अग्निशमन सेवा लेन के लिए निर्धारित भूमि पर अतिक्रमण किया है। नगर निगम के भवन निरीक्षक द्वारा किए गए साइट निरीक्षणों के दौरान इन उल्लंघनों की रिपोर्ट नहीं की जाती है। भवन की मंजूरी आपके पूर्ववर्ती के कार्यकाल के दौरान दी गई थी, जो न केवल आपके बैचमेट हैं, बल्कि एक करीबी दोस्त भी हैं। आप दोनों LBSNAA में अपने प्रशिक्षण के दौरान रूममेट थे। प्रथम दृष्टया, मामला नगर निगम के अधिकारियों और बिल्डर के बीच व्यापक सांठगांठ से जुड़ा हुआ प्रतीत होता है। आपके सहकर्मी आप पर जांच में धीमी गति से आगे बढ़ने का दबाव बना रहे हैं। उनमें से कुछ का सुझाव है कि बिल्डर को जवाबदेह ठहराने से निवेशकों के बीच शहर की छवि खराब हो सकती है और शहरी विकास धीमा हो सकता है। इस बीच, आपको पता चलता है कि बिल्डर राज्य कैबिनेट में एक शक्तिशाली मंत्री का छोटा भाई है। एक शाम, उसका निजी सहायक आपसे निजी तौर पर मिलने आता है। वह सुझाव देता है कि इस मामले को "पारस्परिक रूप से सुलझाया जा सकता है" और आपको उसी आवासीय परिसर में ₹2 करोड़ का प्रीमियम अपार्टमेंट देने की पेशकश करता है। इसी बीच उन्होंने यह भी संकेत दिया कि यदि मामला बिल्डर के पक्ष में शीघ्र हल नहीं हुआ तो उनके कार्यालय से कोई व्यक्ति आपके खिलाफ अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज कराने के लिए तैयार है।

a) मामले में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा करें।
b) इस स्थिति में आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं?
c) अपनी चुनी हुई कार्यवाही का विवरण दीजिए। (20 अंक, 250 शब्द)

उपरोक्त मामला भ्रष्टाचार, निर्धारित मूल्यों व सार्वजनिक - मजदूर सुरक्षा को इंगित करता है।

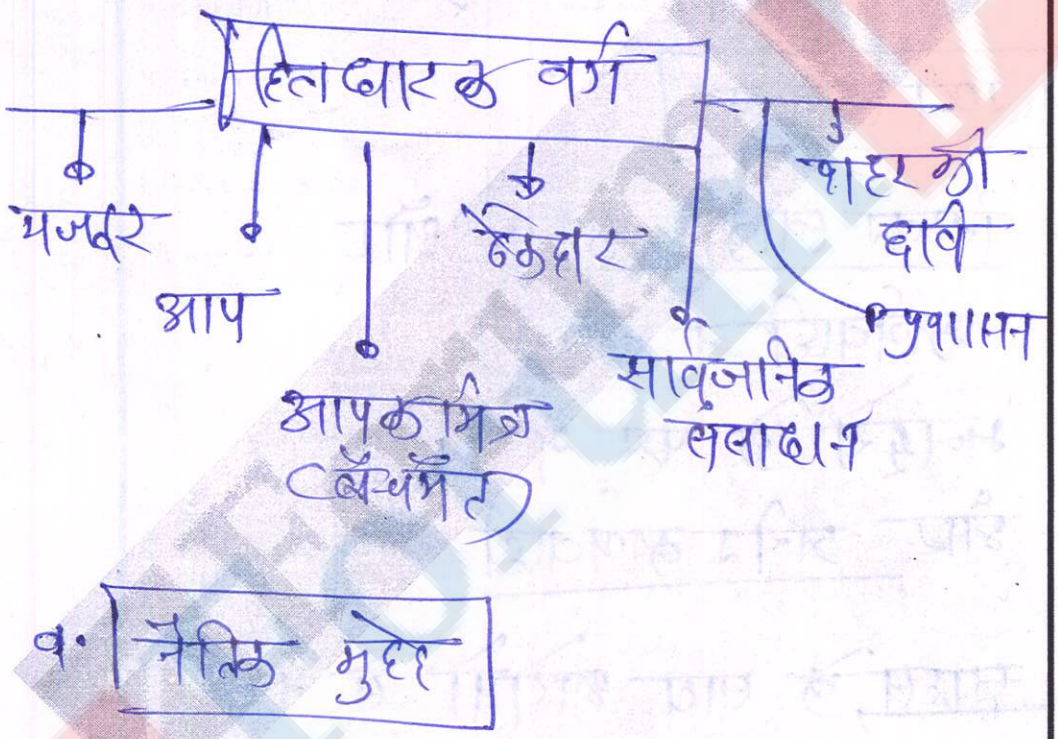

1. नैतिक मुद्दे

1. सत्यनिष्ठा बनाम भ्रष्टाचार, अर्थात नियमों का पालन या रिश्वत

2. साहस बनाम कर्तव्य
↳ जातिआधारित आरोप का भय दिया जाना।

3. मित्रता बनाम प्रशासनिक जिम्मेदारी
↳ मित्र के भ्रष्टाचार का मामला

4. शहरी दावे बनाम मजदूर जीवन

5. उपलब्ध विकल्प

1. रिश्वत स्वीकार करना और कार्यवाही न करना।

2. मजदूरों के पक्ष में निर्णय और उचित कार्यवाही

3. साहस के साथ आरोपों से नहीं डरना और मित्रता को अपने दायित्वों से नीचे रखना।

4. कोई मध्यम मार्ग नहीं क्योंकि घोर अनैतिक कार्यवाही व जीवन का मामला

C. चयनित विकल्प

1. भ्रष्टाचार का मामला, भ्रष्टाचार निवारक अधिनियम के विरुद्ध है। अतः सत्यनिष्ठा प्रभावित।

2. साहसपूर्ण निर्णय + पारदर्शिता

A. अपने निर्णयों व findings का दस्तावेजीकरण करना।

B. जातिआधारित आरोपों से नहीं डरना (A 318 संबंधित संवैधानिक सुरक्षा)

C. मित्र के भ्रष्टआचरण का साथी नहीं बनना व लोक सेवा के दायित्वों का पालन।

इस प्रकार ईमानदारी व सत्यनिष्ठा से मामले को न्यायालय के समक्ष ले जाना। इससे नैतिक व विश्वसनीय शासन की स्थापना होगी।

Feedback
(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			
Please put tick marks in the above table. Here G is Good, A is Average and P is Poor.			
TOTAL MARKS			

ForumIAS

Mentor Feedback Questions

1 .....

2 .....

3 .....

4 .....

5 .....

Test Goal	Outcomes
1 ..... ☐	.....
.....	.....
2 ..... ☐	.....
.....	.....
3 ..... ☐	.....
.....	.....

Marking Scheme

Mark	Good	Average	Below average
10 Marker	3.75 – 5.0	3.0 – 3.5	< 3.0
15 Marker	5.75 – 7.0	4.0 – 5.5	< 4.0
20 Marker	7.75 - 10	6 - 7.5	< 6
✓✓	Key / Relevant Point		
✖	Vague / Irrelevant		

* Subject to change without prior notice.

Availing Mentorship - Now made easy & seamless via mentorship.forumias.com

Dear Students,

You can now avail Mentorship in both online & offline mode seamlessly. All you need to do is login to below URL and pick up a date and time and your Mentorship is scheduled at the designated time.

Visit the URL https://mentorship.forumias.com or Scan the QR code

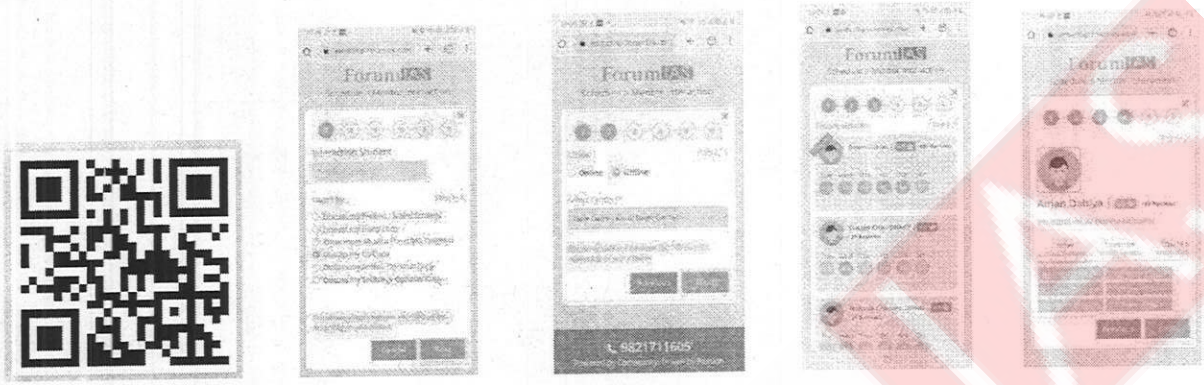

When must you seek mentorship? When you are unable to fully comprehend the directions given by the evaluator in the MGP copy. A Mentor will help you understand the nuiances of your evaluated MGP copy. He / She will also be able to make suggestions, if needed, on improvements that you could make.

If we are already doing well, a reinforcement from the Mentor will further assist us in following the right path. A Mentor may also be able to give valuable inputs with respect to time management, presentation, structure etc. He may recommend you clearly to work on content or may suggest you to take courses / read books in case he feels you lack content that may be quickly improved with a course at ForumIAS or elsewhere, or some study material.

To download topper's copies, visit the link https://blog.forumias.com/testimonials

CSE 2024 - Topper's Testimonials and Test Copies

CSE Rank 1 Shakti Dubey, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 4 Shah Margi Chirag, Testimonial Click Here
CSE Rank 6 Komal Punia, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 7 Aayushi Bansal, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 9 Aditya Vikram Agarwal, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 11 ETTABOYINA SAI SHIVANI, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 15 BANNA VENKATESH, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 16 MADHAV AGARWAL, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 17 SANSKRITI TRIVEDY, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 18 Saumya Mishra, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 19 Vibhor Bhardwaj, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 20 Trilok Singh, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 21 DIVYANK GUPTA, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 22 Riya Saini, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 26 SHIVANSH SUBHASH JAGADE, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 28 RISHABH CHOUDHARY, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 31 SHREYA TYAGI, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 33 ALFRED THOMAS, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 34 ABHI JAIN, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 38 ABHISHEK SHARMA, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 41 Sachin Basavaraj Guttur, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 43 AVDHUA GUPTA, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 44 MUDITA BANSAL, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 45 MALAVIKA G NAIR, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 48 RITIKA RATH, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 50 ANKUR TRIPATHI, Download MGP Copies + Testimonial Click Here